

१३

इतिहास

११

रुद्रजी चंदो यास उज्ज्वल

भट्टी याचे पत्र. पत्रालेकी

ही ऐतिहासिक नावाचा उद्धरण

३

राजे श्रीयाविराजीराज
मान्यराजे श्रीरुद्राजीपंत
भुवयीन्त्री

आनंददाहोवेदोक्त अतिवार्ड उपरियेथलक्षे मज्जाण उन
स्वपुत्रा कुलस्वनकलपाहिजे वित्रोपताक जीवर बेरिपत्र
पाठविले पावानवने मानकले आलेलीहिले कीपनाजी
मोरद वीचोपाने नसागातले किंतु ह्नावेरितीनेत्र
होनाची वरान जाहली आहेत्यावरून अपणमाण्यस्य
वेरिंडोपत्रापत्रपाठविले गरिवरात नो मनापहिले
चकलीहोती अपणासत्याहाय गरि स्वामीस्यकायबाटल
अणमनाही जाहली चहाने त्याकारणालिहिले नाहिरिंडोप
नीचापत्राचे उत्रर पाठविले आहे बुली भेटीसयणमण
उनलिहिले गरि र्घरिले नजाहले आहे संप्रमास पाव
गेधोरुदी कवपार्वणादी कर्म करिनायेत नाहीत
ऐसाहास्त्राथ आहेयामध्ये अपणही विचारकेलाचअ
सेलयउपरि आगस्यचअसेल तरि असा वास्पेका
रणकरणे मणजे मासत्रयत फ्री होयील नाहतरिभ
ले आहणहासनीलयामध्ये स्यामिसनेई आहतिजे
करणेने विचारनकरणे असचे येयाचे वत्रमानतारि
ह्रीमनुष्यकफ्राडासनेली मणउत्रराअमासपंतानची
मनुष्यमहासुलहून आलीते ही मनुष्यवत्रमान्य
रिसागीतले तवनेमानस्तदाद्ये कानासगेलेसा
वरूनत्यानी मीवशीलाडगा वीडागातथमाण्यसरा
नविलेकी दुलीससुत्रउपाउभीयणयावरून
नमज्जाहगाह एभासली चमगतनेन गडासअ
लोकारय वत्रमानसगीतल स्यासअपणहजोडी
वाक्क मणउत्र किंतु करदवदलकेली परंतु गा
धिसस्यवापनामणालागलेकेअमासपंतानसका
ण्युकागदपाठविलेआह दुलीकांपाफुरादनाम
मगअलीउगचराहिले स्यासरा नीसागीतलकी
दुलीसासपत्रलिहणकी दुलीगलेचअशिलेत
तरिलो करिमाधारयणमाहीतरिअसासअ
गत्यहायील रागनागाजीरावपाठण करानेसाधरि
खेहायील अणीमित्रसासअंतरपडले एसीकने क
विचारसगीतले आहेवीरअपणलो करीमाणसध
रासपाठउनरासयकसमाधानपत्रले करिलेह
नपाठवणयाचे दिवसांनपत्रनयमणजदुली
कडेमाणसयनील अणयथअसासहीकठीण
होयी तरिलो करिलो करिउत्ररपाठवणमगमी
ही भेटीसययीनक कुलपाहिजे रावीसाजीपंत
तरिअणी कही बशहान्नाची वरानकेली आहे
पंतुअलीरदवदलकेरून शिक्पासगठविली
आहयत्नता करीतच आहेयामध्ये जकायस्य
लेतहासासआह दिवसयकी कडेअसादणगे
नकरणकदाचीनयथअनी रायचजाहलावरि
तथनी फ्रिगाठिनपडादणवदुलाकडेसरदुरामुख
कडीलकडेकायहातसांतपावलेकायहसत्य
लिहणज्यां ज्यांसकाराषनीकडे दीचलीहोती
तीवधीराजग्रहातलेरूनदीचलीआहवसापेका
वीरपधून वरानाहस्याआहीतदुलावीरहीसा

गहडार टक आह मण उमले हु नदी चले आह
 जा गती नह डार टक पावले बाकी चार हजार
 उरले त्यापे की ती नत्रा होना ची वरात करी व
 हा गती रसा चा पावल्या चा वदण्या चा कही
 हित्रा वी कि ताव असल तरि पाठ वणे गत्रा
 सा रि रयी हर ये क विचार णा क ली डा पी ल
 रा च ना डी डा च वा चे व त मान लि हे ल तरि
 ने गो षी ची का हि चिं तान हि त्यां च न न डिन स
 प च च आ ह न ही हा डु न अप णा स मा ग ती ल च
 तरि उ मा णू स ये यी ल न य थ पाठ व ण त्या च का
 य ज असल त क के ल व डु प्या ता अ सी ही त्या स
 य थ अस ता ही सा गी ग ल हो ते अ ण त्र स्त त आप
 दे भ द स ही त्या पा वे तो पा ठ विले च आ ह या उ पे
 ता मा णू स अप णा क ड य ण र च न हि फार स ड ह
 ले तरि अ म चा क व वा द ती ल अप ण थ क च ती ल ह का
 हि मा क डु न हि स्वामी नी लि हे ल कि डु ली क व वा च
 ग ला आ ह तरि क व या च व त मान ती र अप णा स ठा व
 क च आ ह उ दि व रा बि स्र ध ड न स्व मि व हा रि आ ल अ ण त
 हा स ड वे स डु न क व व मा गान च त ली अप ण ही म ज पु रि
 ले किं मा चं का र हि ल हा त नि त्या स म्या तो सा गी त ल च
 हा न अ ण स्वामी नी म डु च व रि नि मि स घा ल
 न लि हे ल क र अ म चा प रा ग आ हे य स का णा चा
 का य य ल चाले ल अ म ची ती य थ व चा वि ण फार
 नि प ति हा ते डे थ वां का ही प र चाल ना ए स हा न त स
 म यी च स्वामी स लि हे तो अ ण स्वामि ही क व गे च का रि त
 ति तरि य थ म्पा का म क रा व ची र ची ही वि प ति फार
 च एक त हा ता अ ण प र वां डी दि न ही दि र व ली ए स हा
 ण क ही इ ही वि प ति मा ड ली आ ह अप ण म ल का पु रा ह
 न डु त ल म यी स्व मु र व बा लि ले कि धी र चा न्य दानि म
 ण द तो त्या स दानि पा य ल्या ती क पा व ल अ स म ग ड
 व र हा त स्वामी स स व र सा का मा चा आ ह या च स र क्ष
 ण क रा व म ण ड न त्र ति व षी व रा म ण प्या न्य द ड न
 स र क्ष ण करी त हा त अ ण अ ता ह डु णा मा ड ली
 आ ह तरि ए स क रा स क रा व अप ल्या चान वु ला
 स अ न्न द व त ना हि ए स प रि शि न्न सा गी त ल म ण
 डु मी दि र व ली बु धि करि न ड र फी रान यु ला स
 मु र व दार व वी न तरि म डु मा शा मा य वा पा ची व
 कु कु स्वामी ची आ ण अस स्वामि ने ड का य अं
 त क र णा ती ल वि चार अस ल ता ल ड न पाठ
 व ण अ प र ड अ न्न व स्त्रा वि ण आ नं द ण
 टा ची मा ण स च कू र हा त वि ण सा लो की क
 न क र ण मा स म ड अ न्न कू कू हो त अस त
 वे कू शि का हि अप णा शी ही त्र व र णा क
 री त ना हि व म थ सा स ही क ही हो उ दे व

नाहिंयंदां स्वामीनी काडी योवका पराम्भ शक
 लानाहिं घोरि अणिये गवत काडी अस्मान घर
 निर्गकु जाहले नाहिकु इजा अण वच पडामग
 एही फडी ती जाहली अह आगा के वकु स्वामी
 वेरिस् सांने वरि अपणा सड दृगारवाल च
 रा स्त तीह येया सफा वग नाहिं अणी कही
 वाढी फार च आहिं गप रं गु मायु श्री व्या स्तना
 मध्ये दुग्ध आहिं के वानाहिं हुल कराय ससक
 साक कुग नाहिया सग से वापते की अपल ताड
 इभारा के सान्या न च अहली स्वामी वेरि सोड वे
 घालि गो मज्जतो स्वामी वा च न कोणी इष्टव मे न ववा
 व भू उरु कोणी नाहिं नु हुली च जीर वे ड वा क ड वा
 लवाले तीर च अपण ही संसारा च ह व्या सकरी न
 नाही तीर दुस रया सतायी जीग जाणार नाहिं जरण
 त्याग करी न अथ वस म्या शी होतु न आरिणी
 र्वे करि नेह स्वामी स हर्ण ठा वक असा वे सी का
 हो के व कुषठ की मज्जन क अण अण ज्ञ पावे नाम्भ
 ता अपणा श्री षठ कता कहिं केली नाहिं ऐ से अ
 यान स्वामीनी माझी उपक्षा काय मण तु न व
 ली आहिं अणै आधाना ची पात्रे केली मनुष्य ही
 च उ न गले ली पंचमी व्या मुह ते आ ची न ही कले
 अण म उ उ ग च चातु पाष णा थालि हि ल की पा
 णरि मे कारण येण तीर मज्ज काहिं काण ये क र्ण ही
 मी ई धानाहिं अपणा म क ही अपण माना र्ण स्वामी
 स आ धान घा वी से होत ते इ अर ज्ञा प र मान स
 वी र्ण ने ला य उ र्ण र अ प ण आ धान स्त र प र प क
 रण पर उ द्गा स्त विचारण न कर णी चाले स प ह
 र्ण क हा क ल हा त स्या स न व न व र्ण र दि व स व
 र्ण चालि लु म ग हा मा ची व ई ही श्री हु गु णा फा
 इ होत हो ती अर वा ता क र्ण र्ण न ही या र्ण ले क
 र्ण म ज्ज तो आ गा फा र्ण च अ म व ह ता र्ण या स
 ज्ज ही श का य करी ल त क र्ण र्ण र्ण क छो डी प
 ता वि ष लि हि ल तीर अप ण वा यी ट न हा ण
 क र्ण वा पा ठ उ न ह ण ये थ स र्ण वि षी टु म च क
 र्ण वा ध त ना हिं त हे अप णा स ह र्ण ठा व क असा
 वे क र्ण वा पा ठ वा य स स ह र्ण अ न मान
 न क र्ण ज्ज र्ण म यी का ग द्पा ठ वी र्ण ना ही त
 स म यी त अ र्ण डी न तु म च्या च ग कु णा प ड
 ता त अ प ण अप ल्पा व र्ण ल नि स टा कु ण
 दि वा णा त वा प्प ना वां स वा प्प ना वां च क र्ण वा
 घ त ना हिं त ए स अ र्ण न अप ण का वा यी ट हा य
 स र्ण अ न मान न क र्ण अ प ण क र्ण वा पा ठ वि
 ल म ण ज्ज तु ला व री ल ही नि मि स ग ले व अ
 ला व र ल ही नि मि स ज्ज गे अ ण लो की क ही
 व र्ण दि सान ये तो या स व चाल ही हो न
 दा नि हा व्ण वा व ता पा ठ व ण र्ण र्ण गा अ त
 र्ण अप णा पा स न स ह सा प डान र्ण क हि व ड
 वा क र्ण लि हि ल अ र्ण ल त र्ण र्ण मा क र्ण म्पा
 ही का य क र्ण वा का हिं तु या य दि सान ये यी ना
 रा वा वा य थ अ र्ण ता त ते व कु दिा ह र क र्ण
 चाल त अ स ता वि श म र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण
 र्ण र्ण अ र्ण ह र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com